Government is not committing itself that it will give the required financial assistance to run the industry. This is not a industry which is being run for profit. The people of India want medicines at cheaper rates. For that purpose this industry was established. This company was supplying medicines to us at one-fourth the rates. Now, the capitalists are interested in closing down this industry. Therefore, the Government of India does not want to come forward with any financial assistance to run this industry. I want to know one thing from the Minister. If the workers are to run the industry, then what is the role of the Government? What is the policy—frame on which you are acting? This industry is connected with the health of crores of people. Therefore, I would like to know specifically whether the Government has decided to give the required financial assistance for the revival plan which is under consideration. I want a specific reply from the Minister on this point.

SHRI M. ARUNACHALAM: Madam, the financial assistance which was recommended for revival is Rs. 190.94 crores. The Government is very much interested in reviving it. We have released Rs. 183.62 crores up to last month. It is on loss from its inception except for a short period and that too on canalised drugs and not on manufactured drugs. Therefore, all these aspects are being looked into by a group of Ministers.

SHRI JIBON ROY: Most of the money is spent on ways and means.

SHRI M. ARUNACHALAM: All the aspects are being looked into by a group of Ministers.

शाहगंज-मऊ से दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के लिये एक्सप्रेस रेलगाड़ियां

*143. **श्री मोहम्मद मसूद खान:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि शाहगंज-मऊ रेल लाईन से, जिसका आमान परिवर्तन किया गया है और जिस पर इस समय स्थानीय रेलगाड़ियां चल रही हैं दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के लिये एक्सप्रेस रेलगाड़ियां चलाने की कोई योजना है, यदि हां, तो ये रेलगाड़ियां किन-किन स्टेशनों पर रूकेंगी?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): एक विवरण पटल पर रख दिया गया है। विवरण 01.08.97 से 4649/4650 दिल्ली-दरभंगा सरयू-यमुना एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) को मऊ-शाहगंज के रास्ते चलाने का प्रस्ताव है, जिससे इस खंड से दिल्ली के लिये सीधी सेवा मुहैया हो जाएगी। यह गाड़ी मऊ और शाहगंज के बीच निम्नलिखित स्टेशनों पर रुकेगी:—

1. मऊ
2. मुहम्मदाबाद
3. सठियांव
4. आजमगढ़
5. सरायमीर
6. खोरासन रोड़
7. शाहगंज

शहगंज-मऊ खंड के रास्ते कलकत्ता और मुम्बई के लिये गाड़ियां चलाना संभव नहीं होगा क्योंकि इससे यात्रा में अधिक समय लगा और किराया भी बढ़ जाएगा।

श्री मोहम्मद मसूद खान: मैडम्, मंत्री जी के जवाब में एक बात है कि मऊ और आजमगढ़ से बम्बई वगैरह की ट्रेन चलाने में एक्ट्रा टाईम लगे। मंत्री जी वहां से पूरे तौर पर वाकिफ हैं। अगर किसी आदमी को बम्बई या कलकत्ता जाना पड़ता है तो उसके लिये बनारस जाता है या गोरखपुर जाता है। जब बनारस जाता है तो उसके कान में तीन आवाज आती है। गार्ड और ड्राइवर तुम्हारा सिगनल लोअर है गाड़ी स्टार्ट करो। दूसरी आवाज आती है कि गाड़ी विलम्बित है बाद में सूचना दी जाएगी और तीसरा आवाज आती है कि बम्बई की गाड़ी रद्द कर दी गई है। अब इस कठिनाई को सामने रखकर कि सौ किलोमीटर आदमी के जाने के बाद वह गाड़ी बम्बई और कलकत्ता की रद्द की जाती है तो वह कैसे जाएगा। इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुये कोई कलकत्ता और बम्बई की गाड़ी चलाएंगे या जो गाड़ी चल रही है उसमें ऐसा डब्बा जोड़ेंगे कि जो शाहगंज और मऊ जाकर कलकत्ता और मुम्बई की गाड़ियों में वह डिब्बा जुड जाएं।

श्री राम विलास पासवान: उपसभापति महोदया, हम जब वहां गये थे तो उद्घाटन के समय भी लोगों ने इस सवाल को रखा था और हम स्वंय चिंतित भी है क्योंकि जब नई लाईन खुली है तो हम चाहते हैं कि उस लाईन का अधिक से अधिक उपयोग हो। लेकिन लाईन को जब देखेंगे तो यह त्रिकोण के समान है। अभी फर्स्ट

अगस्त से हम एक गाड़ी चला रहे है जिसके संबंध में सरयू-जमुना एक्सप्रेस का माननीय सदस्य ने जिक्र किया है। आज से वह गाड़ी चलेगी। जहां तक अहमदाबाद से लेकर मुजफ्फरपुर तक है वह भी गाड़ी वाया मऊ शाहगंज से चलाने का प्रस्ताव है। लेकिन जहां तक बम्बई और कलकत्ता का मामला है मैंने उसमें देखा है। और चीज को तो छोड़ दीजिये कि हमारे ट्रेफिक पर और गुड्स ट्रेन के ऊपर क्या असर पड़ेगा। दो-तीन घंटे का समय में अंतर पड़ता है और एक में 94 किलोमीटर और दूसरे में 104 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है। इसलिये न तो कोई पैसेंजर उतना घूमकर जाना पसंद करेगा और न ही समय के लिहाज से वह संभव हो पा रहा है। इसलिये हम लोगों ने मऊ शाहगंज के बीच में जिसका आपने जिक्र किया है, जाकर के कहीं भी ट्रेन पकड़े उसके लिये तीन पैसेंजर गाड़ी उस रूट में चल रही हैं। आवश्यकता पड़ेगी तो उस रूट में जोड़ने के लिये और भी ट्रेन को हम चलाने की व्यवस्था करेंगे। अगर कोई भी संभव रास्ता निकलेगा तो इन रूट पर गाड़ी चलाने का उस पर विचार निश्चित रूप से करेंगा। लेकिन अभी तक जो हमने देखा है और आज भी मैंने दो घंटे इस पर अधिकारियों के साथ लगाए हैं। लेकिन वह अभी तक किसी तरीके से फिजिबिल नजर नहीं आ रहा है।

श्री मोहम्मद मसूद खान: शुक्रिया मंत्री, आप मुझे जब डेट या टाइम बता देंगे तो हम लोग मिल लेंगे। मोहतरमा, हमारा दूसरा सप्लामेंटरी प्रश्न यह है कि आजमगढ़-मऊ में इतने एम०पी० है कि पूरे हरियाणा में जितने एम०पी० होते हैं उससे ज्यादा तादात वहां है और सिर्फ तीन दिन गाड़ी सरयू-जमुना चलती है तो मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उनकी कठिनाई को सामने रखते हुये गोरखपुर से बहुत सी गड़िया हैं चार दिन आप उस ट्रेन को गोरखपुर से चला रहे है तो क्या सातों दिन मऊ और शाहगंज से उसको चलाएगें? और गाजियाबाद के बजाय पुरानी दिल्ली करने के नई दिल्ली करने पर विचार करेंगे ताकि एम०पी० जो ज्यादातर राज्य सभा के एम०पी० हैं, उन लोगों को आने-जाने में सुविधा हो और जनता को भी सुविधा हो?...(व्यवधान)

[†شری محمد مسعود خان: شکریہ منتری جی۔ آپ مجھے جب ڈیٹ یا ٹائم بتا دینگے تو ہم لوگ مل لینگے۔ محترمہ ہمارا دوسرا سپلیمنٹری پرشن یہ ہے کہ اعظم گڑھ مئو میں اتنے ایم۔ پی۔ ہیں کہ پورے ہریانہ میں جتنے ایم۔ پی۔ ہوتے ہیں اس سے زیادہ تعداد وہاں ہے اور صرف تین دن گاڑی "سریو۔جمنا" چلتی ہے تو میں مانیہ منتری جی سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ انکی کٹھنائی کو سامنے رکھتے ہوئے بہت سی گاڑیاں گورکھپور سے ہیں چار دن آپ گورکھپور سے اس ٹرین کو چلا رہے ہیں تو کیا ساتوں دن مئو اور شاہ گنج سے اسکو چلائینگے۔ اور غازی آباد سے بجائے پرانی دلی کرنے کے نئی دلی کرنے پر وچار کرینگے تاکہ ایم۔ پی۔ جو زیادہ تر راجیہ سبھا کے ایم۔ پی۔ ہیں ان لوگوں کو آنے جانے میں آسانی ہو اور جنتا کو بھی آسانی ہو۔ ۔۔۔ "مداخلت" ۔۔۔]

एक माननीय सदस्य: आजमगढ़ की वही हालत है। (व्यवधान)

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला: यह कहते हैं कि हरियाणा की सब ट्रेनें मंत्री जी निकाल दें।...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान: उपसभापति महोदया, जैसा कि माननीय सदस्य को मालूम है कि जो ट्रेन यहां से सरयू-जमुना चलती है या आज से चल रही है, वह 9 बजकर 20 मिनट पर चलेगी और 12 बजे दरभंगा जाकर पहुंचेगी। उसी तरह से इधर से 7 बजकर 30 मिनट पर चलेगी और 11 बजे वहां पहुंचेगी। तो करीब-करीब 22 घंटे लगते है और वहीं ट्रेने जाएगी, वही ट्रेने आएगी। तो ट्रेने को रैस्ट करने के लिये भी थोड़ा समय चाहिये। ऐसे भी देखेंगे तो एक दिन जाने में और एक दिन आने में, कुल मिलाकर सप्ताह में सात ही दिन होते हैं, उस लिहाज से इसको तीन दिन यहां से पास और कोई रास्ता निकलेगा तो हम इसको भविष्य में बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

† [ ] Transliteration in Arabic Script

†श्री मोहम्मद मसूद खानः मैंने पूछा था कि उसी ट्रेन के बजाय गाजियाबाद से दिल्ली करने के बजाय गाजियाबाद से नई दिल्ली करने पर विचार करेंगे?

†[شری محمد مسعود خان: میں نے پوچھا تھا کہ اسی ٹرین کو بجائے غازی آباد سے دلی کرنے کے بجائے غازی آباد سے نئی دلی کرنے پر وچار کریں گے-]

श्री राम विलास पासवानः असल में जो कुछेक स्टेशंस हमारे पास है — चाहे दिल्ली हो या मुम्बई हो, यहां हमारे पास सबसे बड़ी कमी प्लेटफार्म की है। बहुत सारी गाड़ियां, हम चाहते है कि मुम्बई में वी०टी० में आ जाएं और दिल्ली में भी चाहते हैं कि मेन दिल्ली पर आ जाएं। अभी हमने 15-16 दो प्लेटफार्म को बहुत मुश्किल से, जो गरीब लोग वहां बसे थे उनको झुग्गी झोपड़ी हटाकर, उनको वहां से हटाकर, उसका विस्तार किया है लेकिन इतनी ट्रेनों की डिमांड है कि वहां हर ट्रेन को दिल्ली स्टेशन पर ही लाना संभव नहीं होगा और न ही अभी हो पा रहा है लेकिन हम जितना संभव हो रहा है, उतना कर रहे है।

SHRI K.M. SAIFULLAH: Madam, there is a train, the Rajdhani Express, which runs from Bangalore to Delhi.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The question is specifically about Uttar Pradesh. We cannot discuss about the all the trains.

SHRI K.M. SAIFULLAH: Madam,....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sorry. The question is very specific. If we start discussion on all the trains then we will have to sit here the whole day.

श्री ईश दत्त यादवः यह शाहगंज-मऊ रेल लाइन जिसका प्रश्न है यह बहुत महत्वपूर्ण रेल लाइन है और इसके बन जाने के बाद यहां के लोगों ने अनुभव किया कि देश में आजादी है और हमको भी इसका लाभ मिल रहा है। इस रेल लाइन की कल्पना आदरणीय जनेश्वर मिश्र जी ने की और घोषणा भी की। श्री जाफर शरीफ साहब ने इसको प्रारंभ किया लेकिन मैं वर्तमान रेल मंत्री श्री राम विलास पासवान जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने पूरी ताकत लगाकर कुछ समय में इस रेल लाइन का आमान परिवर्तन करा दिया और आमान परिवर्तन कराने के बाद उन्हें...

†[ ]Transliteration in Arabic Script

उपसभापतिः ईश दत्त जी, आप शाहगंज वाली बात कर रहे है कि कहीं और जा रहे हैं?

श्री ईश दत्त यादवः मैडम, मैं वही बात कर रहा हूं।

उपसभापतिः अगर किसी दूसरे स्टेशन पर गाड़ी ले जा रहे हैं तो I cannot permit you because there are other questions also I am sorry. There are other questions also. दूसरे भी सवाल हैं।

श्री ईश दत्त यादवः उसी सवाल को पूछ रहा हूं।

उपसभापतिः उन्होंने शाहगंज और मुम्बई का जो सवाल पूछा है अगर वही सवाल पूछेंगे तो मैं अलाऊ करूं। अगर कहीं और जा रहे हैं तो मैं अलाऊ नहीं करूंगी।

श्री ईश दत्त यादवः नहीं, कोई और नहीं, मैं वही सवाल पूछ रहा हूं।

एक माननीय सदस्यः वह धन्यवाद दे रहे हैं।

उपसभापतिः हां, धन्यवाद दे दें। उसके लिए मैंने मना नहीं किया है।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः शायद मिश्र जी से उनको कोई और काम है।

श्री ईश दत्त यादवः धन्यवाद मैं इसलिए दे रहा हूं कि उन्होंने उसको पूरा भी करा दिया, उद्घाटन भी कर दिया और आज पहली तारीख से उस पर एक रेल उन्होंने चला भी दी। इसलिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहूंगा।

अब मेरा जो प्रश्न है। मैडम, आपके माध्यम से जो मैं पूछना चाहता था कि मैंने मंत्री जी को अभी सदन में लिखकर दे दिया है। इन्होंने इस पर सहानुभूतिपूर्वक और गम्भीरतापूर्वक विचार करने के लिए कहा है। इसलिए...

उपसभापतिः यह सवाल नहीं है आप बैठ जाइये।

श्री ईश दत्त यादवः मैं इनको धन्यवाद देकर बैठ रहा हूं।

श्री विष्णु कान्त शास्त्रीः क्या गोपनीय प्रश्न था।

उपसभापतिः प्रश्न काल के समय में सदन में सिर्फ प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको मुबारकबाद देनी है तो आप स्पेशल मैंशन दे दीजिए। I will allow you. But don't take away other people's right to put questions.

SHRI S.B. CHAVAN: He has not divulged the question.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has not put the questions.

श्री गांधी आजादः उपसभापति महोदया, मंत्री जी ने तीन दिन के लिए तो यह गाड़ी दिल्ली के लिए चलाई है और इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। लेकिन मैं यह

सवाल पूछना चाहता हूं कि उधर की जनता और उधर के जनप्रतिनिधि चार दिन किधर से दिल्ली आयेंगे, वे इसकी भी व्यवस्था बतायें कि ये किधर से आयेंगे जैसा कि हमारे सदस्य ने बताया कि आजमगढ़ में जनप्रतिनिधियों की संख्या ज्यादा है और आजमगढ़ जनपद एक कमिश्निरी है इसलिए इसको ध्यान में रखते हुए इसको प्रमुख नगरों से जैसे कलकत्ता से, मुम्बई से, मद्रास से संबद्ध करने की क्या कोई योजना बनाई है? अगर योजना बनाई है तो वह कितने दिन में क्रियान्वित होगी और अगर नहीं बनाई है तो क्यों नहीं बनाई है?

श्री राम विलास पासवान: उपसभापति जी, मैंने कहा कि मऊ-शाहगंज के रास्ते से सिर्फ एक गाड़ी चल रही है। लेकिन उसके अलग-बगल में गोरखपुर है, वाराणसी है वहां से जो लिंक लाइन है उससे 9 गाड़ियां दिल्ली के लिए चल रही है। जहां तक उनका दूसरा सवाल है, उसके संबंध में मैंने पहले ही जवाब दे दिया है।

देश में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी०पी०ई०पी०)

*144. **डा० महेश चन्द्र शर्मा:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम देश में राज्य-वार कौन-कौन से जिलों में चल रहा है;

(ख) क्या विश्व बैंक ने यह कार्यक्रम भारत को दिया है या सरकार ने इसे विश्व बैंक से मांगा है;

(ग) क्या इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिये कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(घ) इस संदर्भ में विश्व बैंक कितनी राशि खर्च करने वाला है और क्या उक्त राशि अनुदान के रूप में होगी अथवा ऋण के रूप में होगी;

(ङ) क्या विश्व बैंक ने इस कार्यक्रम के लिये कोई शर्त लगायी है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस० आर० बोम्मई): (क) से (च) एक विवरण सभा पटल पर दिया गया है।

विवरण

(क) से (च) प्रारंभिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण को मूर्त रूप देने संबंधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1992 में यथा संशोधित) के लक्ष्य को ध्यान में रखकर 1994 में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी०पी०ई०पी०) एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया। कार्यक्रम के लिए विदेशी वित्त पोषण विकासशील देशों में सभी के लिए शिक्षा परियोजनाओं की मदद करने संबंधी जोमतियन सम्मेलन में अंतराष्ट्रीय समुदाय द्वारा की गई प्रतिबद्धता तथा केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब) द्वारा यह सहायता प्राप्त करने के संबंध में निर्धारित किए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप है।

विश्व बैंक डी०पी०ई०पी० चरण-I के लिए 260.3 मिलीयन अमरीकी डालर की सहायता दे रहा है जिसके अंतर्गत 7 वर्ष की अवधि में असम, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के 23 जिले शामिल होंगे तथा डी०पी०ई०पी० II के तहत 11 राज्यों नामतः असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में 70 जिलों के लिए 450.8 मिलीयन अमरीकी डालर (सह वित्त पोषण व्यवस्था के तहत 425 मिलीयन अमरीकी डालर की आई०डी०ए० क्रेडिट तथा 25.8 मिलीयन अमरीकी डालर का नीदरलैंड सरकार से अनुदान) की राशि सहायता के रूप में दे रहा है। जिन जिलों को विश्व बैंक की सहायता प्राप्त हो रही है उनके नाम विवरण I में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)

विश्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई सहायता मानक शर्तों और विनियमों पर अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आई०डी०ए०) से आसान ऋण के रूप में है। क्रेडिट समझौता के तहत, कार्यक्रम के चरण I और II में संबंधित राज्य सरकारों को प्रारंभिक शिक्षा पर व्यय को वास्तविक रूप से क्रमशः 1991-92 तथा 1995-96 के स्तरों पर रखना होगा।